International Year of Cooperatives (IYC) 2025

Format for Monthly Activities Report for the month of July from Madhya Pradesh

Criteria	Details
Sector	PACS/DCCB/StCB/Dairy/Fisheries etc.
Location	State/District/Village level
Event/Activity Name	Celebration of International Year of Cooperatives 2025 and 5th July as National Cooperative day through various events and activities conducted state-wide.
Brief Information on the Activity	State Level 1) Yuva Sahkar Samvad organized on 5th july 2025 in the presence of Honbl. Chief Minister where he interacted with students regarding the role of cooperatives. 2) National Cooperative Development Corporation (NCDC) organized a training cum regional conference for PACS and FPO on 25th July 2025 at M.P. State Cooperative Union, Cooperative Training Center, Indore. 3) One-day Workshop of 'Sahkar se Samriddhi' organized for all departmental officers in the presence of Honbl. Minister of Cooperation in Apex Bank on 2 July, 2025 District Level 1. Plantation drive carried out in all districts by departmental officers and DCCB officials 2. KCC distribution to new farmers during events organized by DR/AR offices.

	3. Model General Meetings organized by DR/AR offices where information regarding member rights was disseminated. 4. Jan Jagrukta Rally organized in districts like Sagar ,to generate awareness among general public. 5. Investor Meet organized in Sagar under CPPP policy of Madhya Pradesh, Cooperative Department under the leadership of Joint Commissioner, Sagar. 6. Workshops organized in DCCB to educate farmers, and train employees regarding BPACS audit. 7. Organization of essay competitions, informative sessions, etc in schools and colleges by departmental officers. 8. Distribution of LPG gas cylinders by societies 9. Krishak Sangoshthi organized by DCCBs such as in Betul
Objective	• Celebration of the International Year of Cooperatives 2025 so that the general public gains awareness around cooperative schemes and the cooperative sector • Training and education of the department • Generating environmental awareness regarding afforestation • Generating curiosity among students regarding the role of cooperatives • Promoting cooperatives among the youth
No. of Participants	• Per district, an average of 50 participants • Around 15-20 schools/colleges covered in competitions

	• Around 75 officers in departmental training • Around 1200 participants in Yuva Samvad
Achievements & Outcomes	*At state-level:* • Enthusiastic coverage of the events by the media in presence of the Honbl. Chief Minister and Minister of Cooperation. Interest generated among youth and awareness regarding cooperative schemes was spread • Hundreds of plants planted throughout the state *At district-level:* • Awareness and interest generation among the general public regarding IYC due to the activities carried out by the administration. • Farmers benefited through KCC distribution • Students awarded through competition where they were informed regarding cooperative sector
Photographs & A V Content	Representative photo/video attached.
Additional Remarks	July 2025 was successfully celebrated as the month of cooperatives through cooperation between all societies, departments and apex institutions.

Joint Commissioner (Navachar)
Office o/ Registrar, Cooperative Societies
and Commissioner, Cooperative, Madhya Pradesh
Bhopal, Madhya Pradesh

चौथा संसार

सांसद पटेल ने बी-पेक्स गोगांवा में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधी केन्द्र का शुभारंभ किया

नालछा की किसान सुदामा ने लिया ड्रिप से मुनाफा

हरिभूमि

स्कूली बच्चों को समझाए गए सहकारिता के महत्व व लाभ

सहकारी सेमीनार का आयोजन, सहकार से बेहतर विश्व निर्माण विषय पर हुई चर्चा

अधिकारियों को संभागों का दिया जाए प्रभार

दैनिक जागरण

सीहोर व्यापार मेले में सहकारी संस्थाओं के उत्पादों की बिक्री

दैनिक भास्कर भोपाल
02 जुलाई 2025

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण

सहकारिता विभाग जिला नर्मदापुरम

महाराणाप्रताप हायर सेकेंडरी स्कूल रोहना

दिनांक 03.07.2025

- छात्र छात्राओं को कोऑपरेटिव सोसाइटीज के गठन, पंजीयन, निर्वाचन संचालन आदि की जानकारी दी गई।
- छात्र छात्राओं के समूह बनाकर बोर्ड के निर्वाचन और कार्य प्रणाली का डेमो दिया गया।
- छात्र छात्राओं द्वारा रूचिपूर्वक ढंग से गतिविधि मे भाग लिया।
- छात्र छात्राओं को सोसाइटी मे विजिट करने को भी कहा गया।
- सहकारिता पर वाद विवाद संगोष्ठी और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2025
ational Year
tter World
अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 पर

2025
International Year
of Cooperatives

रा.से.यो. इकाई
Estt. Year 1996
श्री महाराणा प्रताप मॉडल हा.से. स्कूल,रोहना
Aff.No.672057
माँ का आशीर्वाद
अभिनंदन
सम्मान समारोह
Cultures
One

दैनिक भास्कर, भोपाल
- 6 JUL 2025

सहकारिता दिवस पर मुख्यमंत्री बोले-

सहकारिता समझें, नहीं तो दूसरों को भी ले डूबेंगे

समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री।

विशेषसंवाददाता | भोपाल

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं को सहकारिता से लीडरशिप के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक अलग लोकतंत्र है और सहकारी समिति का अध्यक्ष बनने वाले व्यक्ति में लीडरशिप आती है। फिर भले ही वे पढ़े-लिखे हों या कम पढ़े हों। सीएम ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से युवाओं को नौकरी देने का काम कर रहे हैं। सीएम ने समझाइश भी दी कि सहकारिता की अच्छे से जानकारी लेकर काम करें। जानकारी नहीं है तो संबंधित व्यक्ति खुद डूबेगा और दूसरों को भी डुबाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने व्यवस्था तय कर दी है कि 30 दिन में समिति का रजिस्ट्रेशन हो ही जाएगा। शनिवार को समन्वय भवन में समावेशी एवं संवहनीय विकास में सहकारिता की भूमिका विषय पर युवाओं से सीएम ने संवाद किया।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सहकारिता नए आंदोलन के रूप में लगातार आगे बढ़ रही है। **उधर,** सीएम ने ग्वालियर में 265.56 करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि बीहड़ों में जल्द ही उप्र-मप्र सरकार द्वारा 2000 मेगावाट क्षमता का एक बड़ा सोलर पावर प्लांट प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है।

पत्रिका, भोपाल
- 6 JUL 2025

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से बोले सीएम-

9 करोड़ आबादी, 10 लाख सरकारी पद... इसलिए सहकारिता बनेगा रोजगार का जरिया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश की आबादी 9 करोड़ से अधिक है और सरकारी नौकरी के पद 10 लाख के करीब हैं। स्वाभाविक है कि सभी को सरकारी नौकरी कोई नहीं दे सकता। सरकार नए पद सृजित कर रही है, तब भी सभी को नहीं मिल सकती। इसलिए युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सहकारिता को जरिया बनाया है। आने वाले समय में इसके जरिए कई बड़े बदलाव दिखेंगे। ये बातें सीएम डॉ. मोहन यादव ने समन्वय भवन में युवाओं से संवाद में कहीं। वे अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर हुए सहकारिता युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा, सहकारिता के लिए पारदर्शिता है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूरी की जा रही है। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, सहकारिता सिर्फ आय बढ़ाने का माध्यम नहीं है। देश को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा।

सीएम ने सहकारिता से रोजगार प्राप्त करने वालीं 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट का वितरण किया।

दैनिक जागरण, भोपाल
- 6 JUL 2025

युवाओं को स्वावलंबी बनाने का माध्यम हैं सहकारी समितियां

अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस पर युवा संवाद कार्यक्रम

जागरण, भोपाल। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है, युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। मुख्यमंत्री शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपैक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद किया और जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप महिला को सिलाई किट प्रदान की।

नवदुनिया, भोपाल
- 6 JUL 2025

युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम हैं सहकारी समितियां : मुख्यमंत्री

आयोजन ● मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद

राज्य ब्यूरो, नवदुनिया, भोपाल : मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। ऐसे में युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम सहकारी समितियां हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कालेज के विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। समन्वय भवन भोपाल में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कालेज की ओर से सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश व समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा।

समन्वय भवन में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने संबोधित किया और युवाओं के सवालों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे। ● नवदुनिया

समन्वय भवन में सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथि। ● नवदुनिया

विद्यार्थियों की जिज्ञासा का किया समाधान: एक छात्रा के सहकारी समिति बनाने की प्रक्रिया और शासकीय कार्य-प्रणाली संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की गई है और नई समितियों का पंजीयन 30 दिन में पूर्ण हो रहा है। एक अन्य छात्रा ने सहकारिता संबंधी विषय स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव रखा। मुख्यमंत्री ने कहा लोगों को स्वयं सहकारिता की ओर पहल करनी चाहिए। सहकारिता में सबका स्वागत है, इसमें शिक्षा या आय का कोई बंधन नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

राज एक्सप्रेस, भोपाल
- 6 JUL 2025

औद्योगिक विकास में सहकारी समितियों को प्राथमिकता, 30 दिन में होगा नई समिति का पंजीयन: सीएम

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद

● भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते

हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया।

राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी चलाने के कार्य में भी महिलाओं की समिति सक्रिय है। उन्होंने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया।

विद्यार्थियों की जिज्ञासा का किया समाधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सामने महाविद्यालय छात्र-छात्राओं ने युवा संवाद कार्यक्रम में कई जिज्ञासाएं रखीं। एक छात्रा के सहकारी समिति बनाने की प्रक्रिया और शासकीय कार्य-प्रणाली संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की गई है और नई समितियों का पंजीयन 30 दिन में पूर्ण हो रहा है। एक अन्य छात्रा ने सहकारिता संबंधी विषय स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर विषय पाठ्यक्रम में रखना कठिन है। लोगों को स्वयं सहकारिता की ओर पहल करनी चाहिए। सहकारिता में सबका स्वागत है, इसमें शिक्षा या आय का कोई बंधन नहीं है।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश में सहकारिता मंत्रालय बनाकर केन्द्रीय मंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा। हमें 2047 तक विकसित भारत बनाना है।

पीपुल्स समाचार, भोपाल
- 6 JUL 2025

सहकारिता दिवस पर मुख्यमंत्री ने युवाओं को दिए सहकारिता के मूल मंत्र, स्टूडेंट ने कहा- जब टाइगर रिजर्व में हमारे सामने बाघ आ जाता है तो हाथ-पैर अकड़ जाते हैं

सीएम बोले- एक बार हमारे सामने भी टाइगर आ गया तो हमारा भी कुछ वैसा ही अनुभव था

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल
मो.नं. 9425174141

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को भोपाल के समन्वय भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ खुलकर संवाद किया। हंसी-ठिठोली के साथ कई बार ठहाके भी लगे। एक अवसर ऐसा आया कि सहकारिता ट्रेक से हटकर जंगल सफारी और टाइगर रिजर्व के अनुभव सुनाए जाने लगे।

बात कुछ इस तरह शुरू हुई कि सहकारिता के क्षेत्र में नवाचार होने की जानकारी दी गई। बताया गया कि को-ऑपरेटिव पब्लिक पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी चलाने के कार्य में भी महिलाओं की समिति सक्रिय है। मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी ने बताया कि वे बिना डर के पर्यटकों को जंगल सफारी कराती हैं और प्रति माह लगभग 14 हजार रुपए की आय हो रही है। इस बीच मुख्यमंत्री ने पूछा कि यहां जो बैठे हैं, उनमें कोई टाइगर रिजर्व गया है? इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद कई विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से अपने मन के सवाल किए।

सीएम और स्टूडेंट के बीच संवाद के कुछ अंश

स्टूडेंट- एक बार सतपुड़ा टाइगर रिजर्व गया था। यहां टाइगर बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन बहुत बड़ी बात है कि वहां महिला टाइगर (गाईड) है। वैसे सफारी के दौरान जब टाइगर आता है तो माहौल पूरी तरह चेंज हो जाता है, हाथ-पैर अकड़ जाते हैं।

सीएम बोले- जंगल के अंदर वन्य प्राणी अनुशासन में जीते हैं। मैं भी पहले टाइगर रिजर्व गया था। टाइगर 100 फीट दूर था। गाड़ी वाले ने रोक दिया और कहा- सर टाइगर जा रहा है। इस दौरान सच में तुमने (स्टूडेंट) जो बोला वह मुझे भी थोड़ा अनुभव हुआ। वह टाइगर बाद में पलटा और सीधे लगभग मेरे पास आ गया। उसने जिप्सी का चक्कर लगाया और जैसे पूछने आया था कि तुम क्या मुझसे पूछ कर यहां आए हो। तो हमने कहा कि तुम्हारा जंगल है। फिर वह धीरे-धीरे अपने चाल से चला गया। ये बताता है कि उस जंगल में अनुशासन भी दिखता है। तुमने 3 वोट गंवाए, अब मैं संवाद के बाद अफसरों की क्लास लूंगा।

पवन वीरे- इंजीनियरिंग का छात्र हूं। हमारे पाठक्रम में सहकारिता विषय को शामिल किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री- ये बताओ तुम कितने साल के हो, वोट देने लगे क्या?

पवन- 21 साल का, लेकिन अभी तक वोटर आईडी नहीं बना।

मुख्यमंत्री- आपने तीन चुनाव निकाल दिए। 18 साल में वोट देना था। तुम्हारे प्रश्न के बाद अधिकारियों की क्लास लूंगा। सीएम ने संवाद के दौरान एक छात्रा से सास-बहू के बीच बातें होने का अनुभव जाना। कार्यक्रम में सहकारिताभंत्री विश्वास सारंग और अपर मुख्य सचिव सहकारिता अशोक वर्णवाल ने भी संबोधित किया।

स्वदेश ज्योति,भोपाल
- 6 JUL 2025

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम : मुख्यमंत्री

- युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम हैं सहकारी समितियां
- नए कार्यों में सहकारी समितियों को दी जा रही है प्राथमिकता
- युवाओं को दिए सहकारिता के मूल मंत्र
- किसी भी काम में सफल होने के लिए जरूरी है मजबूत आत्मविश्वास
- सफलता के लिए कार्य अनुभव और उसके संबंध में जानकारी आवश्यक
- सहकारिता को लेकर लागू है पारदर्शी व्यवस्था, अब 30 दिन में हो रहा नई समिति का पंजीयन
- महिलाएं समिति बनाकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में चला रही हैं सफारी

विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का किया समाधान

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता ध्वज फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को दिए मूल मंत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है।

सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश वन्य संपदा और जलराशियों से संपन्न है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार संकल्पित है। हमारे युवा सभी साधनों से संपन्न होकर प्रदेश को आग बढ़ाए, इसी भावना से राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से अलग-अलग मंचों पर युवाओं से संवाद किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उन्हें भी नेतृत्व का अवसर मिले। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा। सहकारिता और भारतीय दर्शन के माध्यम से हम सबके कल्याण की प्रार्थना करते हैं।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश में सहकारिता मंत्रालय बनाकर केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा। हमें 2047 तक विकसित भारत बनाना है।

मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता का मंच से कराया परिचय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं। इसी के अंतर्गत को-ऑपरेटिव पब्लिक पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी चलाने के कार्य में भी महिलाओं की समिति सक्रिय है। उन्होंने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया। संगीता ने बताया कि बाघ सहित कई वन्य प्राणियों से समृद्ध मढ़ई क्षेत्र में वे बिना डर के पर्यटकों को जंगल सफारी कराती हैं।

छात्र-छात्राओं के सवाल, मुख्यमंत्री के जवाब

साक्षी- कैसे सहकारी समिति का गठन करेंगे, कर्मचारी उपेक्षा भाव रखेंगे।

मुख्यमंत्री - नए काम के लिए हमें अपना आत्मविश्वास मजबूत करके आना पड़ेगा। आप जब कोई काम करना चाहते हैं तो पहले उसके बारे में पूर्व से काम करने वाले लोगों से जानकारी लेना चाहिए और समझना चाहिए कि सहकारी समिति में क्या-क्या हो सकता है? अगर जानकारी नहीं है तो संबंधित व्यक्ति खुद डूबेगा और दूसरों को भी डुबाएगा। अब सरकार ने व्यवस्था तय कर दी है कि तीस दिन में समिति का रजिस्ट्रेशन हो ही जाएगा।

मोहन चौबे(इंजीनियरिंग छात्र) - सहकारिता को शिक्षा से जोड़ना चाहिए। पढ़ाई में इसका समावेश करें। पढ़ाई में सहकारिता जैसे विषयों का समावेश किया जाना चाहिए। एजुकेशन में सहकारिता के समावेश से छात्रों में शुरुआत से ही इसकी समझ विकसित होगी।

मुख्यमंत्री - सहकारिता में काम करने से लीडरशिप आती है। सहकारिता की भावना का विराट स्वरूप लोकतंत्र है। सहकारी समिति का अध्यक्ष बनने वाला लीडर बनता है और फिर व्यवस्था का संचालन करता है। सहकारिता में सबका स्वागत है। सहकारिता में पढ़े लिखे हों या कम पढ़ें हो, सबका स्वागत है। सहकारिता सबको लेकर चलती है। इस दौरान संगीत सोनी ने सहकारिता के साथ टाइगर रिजर्व के अनुभव सुनाए।

वकील छात्रा वैष्णवी बोली, बेइज्जती न हो जाए

कार्यक्रम में वकालत कर रही छात्रा वैष्णवी ने सहकारिता को लेकर एक कविता सुनाई। इस पर सीएम ने कहा कि तुमने लिखी क्या तो छात्रा ने कहा कि चैटजीपीटी से ली। वैष्णवी ने कहा कि वकील झूठ बोलते हैं, ऐसा कहा जाता है पर मैंने सच बोला है। इस पर ठहाके भी लगे। वकील के रूप में छात्रा वैष्णवी का रोल करते देख सीएम ने कहा कि मैं सवाल पूछूं क्या? जवाब में छात्रा ने कहा कि नहीं बता पाई तो बेइज्जती हो जाएगी। इसके बाद सीएम ने कहा कि सास-बहू अपनी बात परिवार तक पहुंचाने के लिए बच्चों का सहारा लेते हैं।

मुख्यमंत्री बोले, जिप्सी तक आया टाइगर, मानो पूछने आया हो कि तुम मेरे से पूछ के आए हो क्या

मुख्यमंत्री ने इस दौरान युवाओं से पूछा कि कितने लोग टाइगर रिजर्व में टाइगर के आस-पास तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि टाइगर रिजर्व में वन्य जीवों को लोगों के साथ जीने की आदत हो गई है। रिजर्व एरिया में टाइगर खुले में रहते हैं लेकिन वे अनुशासन का ध्यान रखते हैं। जियो और जीने दो की भावना पर जीते हैं। टाइगर एक शिकार के बाद चार से पांच दिन तक उसी शिकार को खाता है। इसके बाद खुद अपना शिकार करता है। टाइगर रिजर्व में जो घूमने जाते हैं उनकी गाड़ी खुली रहती है। अपना अनुभव सुनाते हुए सीएम यादव एक बार वे रिजर्व गए तो अपनी चाल में घूमता टाइगर उनकी जिप्सी के चारों ओर घूमकर गया। सीएम ने कहा कि उन्हें ऐसा लगा कि मानों वह पूछने आया हो कि तुम मेरे से पूछ के आए हो क्या? फिर वह अपनी चाल में धीरे धीरे चला गया।

दैनिक स्वदेश, भोपाल
- 6 JUL 2025

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया युवाओं से संवाद

युवाओं को स्वावलंबी बनाती हैं सहकारी समितियां

विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए किया जिज्ञासाओं का समाधान, परस्पर स्वावलंबन के साथ जीने का नाम ही बताया सहकारिता

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

सहकारी समितियां युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम है। यह कहना है मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का। वह अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से संवाद कर रहे थे। समन्वय भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्होंने सहकारिता को परस्पर स्वावलंबन के साथ जीने का नाम बताया है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद थे।

युवाओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मंत्र दिया और कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं। उनका कहना था कि मध्यप्रदेश वन्य संपदा और जलराशियों से संपन्न है। प्रदेश में

साकार करना है प्रधानमंत्री का सपना

म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका सपना है कि हर व्यक्ति के सपनों को पंख मिलें। हमारी कामना है कि उन्नति के दरवाजे सबके लिए खुलें। 2047 तक भारत नंबर वन बनेगा, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सहकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण हमारी धार्मिक गतिविधियां हैं, जो बिना सबके कल्याण के पूरी नहीं होती।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा।

औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार संकल्पित है। हमारे युवा सभी साधनों से संपन्न होकर प्रदेश को आग बढ़ाएं।

सुनाई पंच परमेश्वर और राजा हरिशचंद्र की कहानी

मुख्यमंत्री ने यहां विद्यार्थियों से संवाद करते हुए राजा हरिशचंद्र और प्रेमचंद की कहानी पंच-परमेश्वर का उदाहरण देते हुए सहकारी समितियों के संचालन में पारदर्शिता, स्पष्टता और न्यायप्रियता की महत्ता का उल्लेख किया। उन्होंने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया। जहां उसने बताया कि बाघ सहित कई वन्य प्राणियों से समृद्ध मढ़ई क्षेत्र में वे बिना डर के पर्यटकों को जंगल सफारी कराती हैं और इससे प्रति माह लगभग 14 हजार रूपए की आय हो रही है। एक अन्य छात्रा ने सहकारिता संबंधी विषय स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव रखा।

FREE PRESS, INDORE
- 6 JUL 2025

Cooperative committees medium to save youths from unemployment: CM

Our Staff Reporter

BHOPAL

Chief Minister Mohan Yadav said that along with uniting the society, cooperative is also a medium to save youths from unemployment. The state government is committed to connect youths with self-employment. He was addressing 'Sahkari Yuva Samvad' programme organised to mark International Cooperative Day on Saturday.

He said that Cooperative Committees are a medium to make youths self-reliant. For any work, self-confidence is must. There is transparent arrangement as far as cooperative is concerned. The process of registering the new committee is being completed in just 30 days. He added that the government is committed to increase milk production. Currently, the state is third in milk production and in the future, it will be taken to the top position. Under the guidance of Union Cooperative Minister Amit Shah, the cooperative sector is getting a new dimension. Cooperative Minister Vishvas Sarang was also present in the programme.

THE HITAVADA, BHOPAL
- 6 JUL 2025

'New cooperative societies being registered within 30 days under more transparent system'

CM Dr Yadav was addressing the 'Cooperative Youth Dialogue' at Samanvay Bhawan

■ **Staff Reporter**

CHIEF Minister Dr Mohan Yadav on Saturday addressed the 'Cooperative Youth Dialogue' at Samanvay Bhawan, marking the International Day of Cooperatives. The event, organised by the Madhya Pradesh State Cooperative Union and a College, focused on the cooperative sector's potential in addressing youth unemployment and supporting self-employment.

CM Dr Yadav said that under the leadership of Prime Minister Narendra Modi and Union Cooperation Minister Amit Shah, the cooperative model is expanding into sectors such as dairy and industry. He noted that new cooperative societies are now being registered within 30 days under a more transparent system.

He emphasized that the spirit of cooperation aligns with constitutional values and can be instrumental in building self-reliant communities. As part of the symbolic gestures, a sewing machine toolkit was handed over to a woman who started a business through a cooperative.

The Chief Minister also recalled the legacy of the Amul cooperative model initiated by Sardar Vallabhbhai Patel, which significantly impacted rural employment. He stated that Madhya Pradesh, currently third in milk production, aims to raise its contribution from 9% to 20% nationally, with cooperatives playing a key role.

CM Dr Mohan Yadav seen addressing the 'Cooperative Youth Dialogue' at Samanvay Bhawan.

Youth were encouraged to develop confidence and practical knowledge before entering the cooperative space. Dr Yadav acknowledged student queries regarding cooperative policy, curriculum inclusion, and registration procedures, reaffirming the government's efforts to simplify access.

Cooperation Minister Vishwas Sarang also addressed the gathering, highlighting the structural reforms brought about through the establishment of a dedicated Ministry of Cooperation.

During the programme, Sangeeta Solanki, a woman operating safari jeeps in the Satpura Tiger Reserve under the Cooperative Public Partnership model, was introduced as an example of innovation in the cooperative space. The event concluded with an emphasis on expanding cooperative initiatives as part of the state's broader employment and development goals.

CENTRAL CHRONICALE, BHOPAL
- 6 JUL 2025

Cooperative societies are schools of leadership: CM Mohan Yadav

Administrative Correspondent

Bhopal: Madhya Pradesh Chief Minister Dr. Mohan Yadav on Saturday described cooperative societies as "schools of leadership," encouraging youth to actively participate in the cooperative movement. Speaking at the Youth Cooperative Dialogue event organized on the occasion of International Cooperative Day at Samnvay Bhawan, Dr. Yadav said the cooperative model has the power to transform youth into leaders and job providers.

"Leadership begins with responsibility. If someone becomes the head of a cooperative society, they learn to lead. Cooperatives welcome everyone—regardless of educational background—and offer a platform for youth to create employment for others," the Chief Minister said.

Cooperatives as a pathway to employment

Addressing a hall full of young participants, Dr. Yadav challenged the traditional notion of employment, emphasizing that "jobs" are not limited to government roles. "Employment doesn't only mean government jobs. The state is committed to promoting self-employment and entrepreneurship among youth. That's why we've declared 2025 as the Year of Employment and Industry in Madhya Pradesh," he stated.

He added that cooperative societies will be given preference in new development initiatives, including dairy production and industrial projects. "Cooperatives not only unify society but also offer a way to tackle unemployment," he noted.

Confidence is the key to starting something new

During the interactive session with students, Dr. Yadav offered advice on building confidence when venturing into new areas. "Before starting any new work, strengthen your self-confidence," he urged. He encouraged youth to gain experience and understand how cooperatives can help them achieve their goals.

Empowering youth across sectors

The Chief Minister highlighted ongoing state initiatives aimed at youth development. "The real test of youth begins after college. The government is working to advance youth in every sector—be it industrial, environmental, or cooperative. Madhya Pradesh is rich in forests and water resources, and we are committed to using them sustainably to create industrial growth," he said.

Dr. Yadav emphasized the importance of ongoing dialogue with youth, saying such forums help identify future leaders.

Calls to include cooperatives in School Curriculum

Students raised questions regarding cooperative society registration and the government's functioning. One student suggested including cooperative studies in school syllabi. Responding, Dr. Yadav said, "While it's difficult to include every subject in the curriculum, individuals themselves should take the initiative to explore cooperatives. There are no barriers of education or income in this sector."

He also noted that new cooperative societies are now being registered within 30 days, thanks to a more transparent system.

Showcasing grassroots success

The event also spotlighted real-life success stories. Dr. Yadav introduced Sangeeta Solanki, a woman from the Madhai region who runs a gypsy safari vehicle in the Satpura Tiger Reserve as part of a women's cooperative under the Cooperative Public-Private Partnership (CPPP) model. Earning around Rs.14,000 per month, Sangeeta offers jungle safaris without fear, even in tiger habitats.

As a symbolic gesture of support, the CM presented a sewing machine toolkit to a woman entrepreneur, representing 30 women who have launched businesses through cooperatives.

THE PIONEER, BHOPAL
- 6 JUL 2025

CM emphasizes youth empowerment and cooperative development

STAFF REPORTER ■ Bhopal

Chief Minister Dr. Mohan Yadav, speaking at the "Cooperative Youth Dialogue" program organized at Samanvay Bhawan on the occasion of the International Day of Cooperatives, highlighted the transformative role of cooperatives in youth empowerment and industrial growth in Madhya Pradesh. Under the leadership of Prime Minister Narendra Modi and Union Home and Cooperation Minister Amit Shah, Dr. Yadav said the cooperative sector in the state is exploring new opportunities across fields such as dairy production and industrial development.

He stated that cooperative societies will be prioritized in new initiatives and that cooperation not only unites society but also helps address the challenge of unemployment. "Employment doesn't just mean government jobs," the Chief Minister noted, stressing the government's commitment to promoting self-employment and self-reliance. He declared 2025 as the "Year of Employment and Industry" in Madhya Pradesh.

Commenting on the recent implementation of three new criminal laws, Dr. Yadav remarked that under Prime Minister Modi's leadership, "the blindfold has been removed from the eyes of the goddess of justice," asserting that justice must be seen to be delivered. He said that the spirit of self-reliance and mutual participation, as enshrined in the Constitution, is reflected in the cooperative model. Transparency has been a hallmark of the present government's cooperative initiatives, with new societies now being registered within 30 days.

The event began with the hoisting of the cooperative flag and a ceremonial Deep-Prajjwalan by the Chief Minister. Additional Chief Secretary Ashok Varnwal was present, and guests were welcomed with saplings. Dr. Yadav interacted with college students and addressed their questions during the event. As a symbolic gesture of cooperative-driven empowerment, he handed over a sewing machine toolkit to one of the 30 women entrepreneurs supported by cooperatives.

Recalling the roots of India's cooperative movement, Dr. Yadav cited the inspiration of Gujarat's Amul, launched by Sardar Vallabhbhai Patel after independence. He said Amul played a vital role in connecting people to dairy production and reducing unemployment. Emulating that model, Madhya Pradesh aims to become the top milk-producing state in the country, increasing its national contribution from 9% to 20%, largely through cooperative efforts.

Addressing the youth, Dr. Yadav offered key mantras for success in the cooperative sector. He urged them to cultivate self-confidence, gain practical experience, and explore how cooperatives can support their goals. He emphasized that cooperative leaders must first be knowledgeable and then educate their peers, calling for an informed and skilled youth base.

The Chief Minister reiterated that the real test of youth begins after completing formal education. Highlighting Madhya Pradesh's abundant natural resources, he expressed the government's resolve to drive industrialization and empower young people with the tools and support needed to lead the state forward. He said that engaging with youth through such platforms is vital to prepare them for future leadership roles. Under PM Modi's vision, India is striving to become a developed nation by 2047, and the cooperative spirit will play a key role in this mission.

Cooperation, Sports, and Youth Welfare Minister Vishwas Kailash Sarang also addressed the gathering. He noted that on this International Day of Cooperatives, the country celebrates the positive changes made under PM Modi's leadership, including the establishment of a separate Ministry of Cooperation under Amit Shah.

नव भारत भोपाल
- 6 JUL 2025

युवा संवाद

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- रोजगार का अर्थ केवल सरकारी नौकरी नहीं

लीडरशिप की पाठशाला है सहकारी समिति

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 5 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लीडरशिप की पाठशाला सहकारी समिति है. यदि कोई व्यक्ति सहकारी समिति का अध्यक्ष बन गया तो फिर वह लीडर भी बन सकता है, उसमें लीडरशिप आती है. सहकारिता सभी का स्वागत करती है, चाहे वह पढ़ा-लिखा व्यक्ति हो या फिर कम पढ़ें हो. युवा सहकारिता के माध्यम से दूसरों को नौकरी देने का काम कर सकते हैं. प्रदेश में ये हो रहा है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान वे युवाओं से मुखातिब हुए और उनके सवालों के जवाब भी दिये. (शेष पेज 12 पर)

सहकारिता को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सामने महाविद्यालय छात्र-छात्राओं ने युवा संवाद कार्यक्रम में कई जिज्ञासाएं रखीं. एक छात्रा के सहकारी समिति बनाने की प्रक्रिया और शासकीय कार्य-प्रणाली संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की गई है और नई समितियों का पंजीयन 30 दिन में पूर्ण हो रहा है.

जब भी नया काम करें, तो आत्मविश्वास मजबूत रखें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए. उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है.

पेज एक का शेष

लीडरशिप की पाठशाला है सहकारी समिति

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी. उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है. रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है. युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है.

सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही सरकार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है. मप्र वन्य संपदा और जलराशियों से संपन्न है. प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार संकल्पित है. इसी उद्देश्य से अलग-अलग मंचों पर युवाओं से संवाद किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उन्हें भी नेतृत्व का अवसर मिले.

मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता का मंच से कराया परिचय: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं। इसी के तहत को-ऑपरेटिव पब्लिक पार्टनरशिप सीपीपीपी के माध्यम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी चलाने के कार्य में भी महिलाओं की समिति सक्रिय है। उन्होंने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया. संगीता ने बताया कि बाघ सहित कई वन्य प्राणियों से समृद्ध मढ़ई क्षेत्र में वे बिना डर के पर्यटकों को जंगल सफारी कराती हैं और प्रति माह लगभग 14 हजार रूपए की आय हो रही है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की.

दैनिक एक्सप्रेस न्यूज, भोपाल
- 6 JUL 2025

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी युवा संवाद में सीएम बोले...

परस्पर स्वावलंबन के साथ जीने का ही नाम है सहकारिता

● भोपाल, ईएमएस।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नया मंत्र दिया है। सहकारिता के साथ लोकतंत्र की भावना के साथ देश आगे बढ़ रहा है। परस्पर स्वावलंबन के साथ जीने का नाम ही सहकारिता है। इस मंत्र पर देश और प्रदेश में काम किया जा रहा है। हर दिन नए आंकड़े सामने आ रहे हैं। विद्यार्थियों वास्तविक जीवन जीकर जानकारी और अनुभव हासिल करते हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को कही। सीएम डॉ. यादव अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर भोपाल के समन्वय भवन में आयोजित सहकारी युवा संवाद को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कई युवाओं के साथ संवाद भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कॉलेज की पढ़ाई मात्र किताबी ज्ञान तक सीमित रहती है। हमारा प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से भरा है। इसे नदियों का मायका भी कहा जाता है। आधुनिकता के इस दौर में औद्योगिकीकरण की जरूरत है। इसीलिए हमने उद्योगों को बढ़ावा दिया है। उद्योगों के बढ़ने से प्रदेश में मौजूद वस्तुओं की कीमत बढ़ी है। युवाओं को नई दिशा और रोजगार के अवसर मिले हैं।

साकार करना है पीएम मोदी का सपना

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर व्यक्ति के सपनों को पंख मिलें। हमारी कामना है कि उन्नति के दरवाजे सबके लिए खुलें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

सहकारिता को आत्मसात करने की जरूरत: सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सहकारिता नए आंदोलन के रूप में लगातार आगे बढ़ रही है। अलग -अलग स्तर पर सहकारिता विकास कर रही है। जहां व्यक्ति है वहां सहकारिता है। सहकारिता रोजमर्रा की जिंदगी को सहज बनाने के लिए है। इसे जीवन में आत्मसात करना होगा तभी जीवन में बदलाव आएंगे। सहकारिता सोसायटी और रोजगार नहीं बल्कि समाज का निर्माण है। इसके पहले कार्यक्रम के शुरुआत में एसीएस सहकारिता अशोक बर्णवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को सहकारिता की समझ के लिए यह कार्यक्रम हो रहा है।

2047 तक भारत नंबर वन बनेगा, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सहकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण हमारी धार्मिक गतिविधियां हैं, जो बिना सबके कल्याण के पूरी नहीं होती।

राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा। आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वाइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वाइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया है।

दैनिक नई दुनिया, भोपाल
- 6 JUL 2025

युवाओं को स्वावलंबी बनाने सशक्त माध्यम हैं सहकारी समितियां

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद

उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सहकारिता ध्वज फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। उन्होंने सहकारी युवा संवाद में महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की। डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से अलग-अलग मंचों पर युवाओं से संवाद किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उन्हें भी नेतृत्व का अवसर मिले। मुख्यमंत्री के सामने महाविद्यालय छात्र-छात्राओं ने युवा संवाद कार्यक्रम में कई जिज्ञासाएं रखीं। शासकीय कार्य-प्रणाली संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की गई है और नई समितियों का पंजीयन 30 दिन में पूर्ण हो रहा है।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है।

द. देशबंधु, भोपाल

- 6 JUL 2025

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद, कहा-

युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम हैं सहकारी समितियां

- नए कार्यों में सहकारी समितियों को दी जा रही प्राथमिकता
- महिलाएं समिति बनाकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में चला रही सफारी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता: सारंग

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश में सहकारिता मंत्रालय बनाकर केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा। हमें 2047 तक विकसित भारत बनाना है। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे।

मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता का मंच से कराया परिचय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं। इसी के अंतर्गत को-ऑपरेटिव पब्लिक पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी चलाने के कार्य में भी महिलाओं की समिति सक्रिय है। उन्होंने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया। संगीता ने बताया कि बाघ सहित कई वन्य प्राणियों से समृद्ध मढ़ई क्षेत्र में वे बिना डर के पर्यटकों को जंगल सफारी कराती हैं और प्रति माह लगभग 14 हजार रूपए की आय हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा हरिशचंद्र और प्रेमचंद की कहानी पंच-परमेश्वर का उदाहरण देते हुए सहकारी समितियों के संचालन में पारदर्शिता, स्पष्टता और न्यायप्रियता की महत्ता का उल्लेख किया।

चौथा संसार, इन्दौर
- 6 JUL 2025

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम :डॉ. यादव

भोपाल,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता ध्वज फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को दिए मूल मंत्र- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं।

स्टार समाचार,भोपाल
- 6 JUL 2025

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस, सहकारी युवा संवाद में बोले सीएम डॉ. यादव

सहकारी समिति अध्यक्ष बनने से लीडरशिप आती है, नौकरी देने का काम कर सकते हैं युवा

स्टार समाचार | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि सहकारिता की भावना का विराट स्वरूप लोकतंत्र है। सहकारी समिति का अध्यक्ष बनने वाले व्यक्ति में लीडरशिप आती है। सहकारिता में पढ़े लिखे हों या कम पढ़ें हो, सबका स्वागत है। सहकारिता सबको लेकर चलती है। इस दौरान सीएम यादव ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से युवा लोगों को नौकरी देने का काम कर सकते हैं और यही हो भी रहा है। सीएम यादव ने ये बातें शनिवार को राजधानी के समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी युवा संवाद के दौरान कहीं। सीएम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सच्चे अर्थों में न्याय करना है तो आंख पर पट्टी नहीं बंधी होना चाहिए। सहकारिता इसमें सहयोगी होगी। सीएम यादव ने कहा कि औद्योगीकरण के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

उन्होंने इस दौरान युवाओं के सवालों के जवाब भी दिए। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग की मौजूदगी में अतिथियों एवं युवाओं के बीच समावेशी एवं संवहनीय विकास में सहकारिता की भूमिका विषय पर संवाद हुआ। कार्यक्रम में राज्य सहकारी संघ द्वारा भारत सरकार हस्तशिल्प विभाग निर्मित टूलकिट वितरण भी किया गया।

वन्य जीवों को लोगों के साथ जीने की आदत हो गई

मुख्यमंत्री ने इस दौरान युवाओं के पूछा कि कितने लोग टाइगर रिजर्व में टाइगर के आस-पास तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि टाइगर रिजर्व में वन्य जीवों को लोगों के साथ जीने की आदत हो गई है। रिजर्व एरिया में टाइगर खुले में रहते हैं लेकिन वे अनुशासन का ध्यान रखते हैं। जियो और जीने दो की भावना पर जीते हैं। टाइगर एक शिकार के बाद चार से पांच दिन तक उसी शिकार को खाता है। इसके बाद खुद अपना शिकार करता है। टाइगर रिजर्व में जो घूमने जाते हैं उनकी गाड़ी खुली रहती है। अपना अनुभव सुनाते हुए सीएम यादव एक बार वे रिजर्व गए तो अपनी चाल में घूमता टाइगर उनकी जिप्सी के चारों ओर घूमकर गया।

छात्र-छात्राओं के सवाल, सीएम मोहन के जवाब

साक्षी- कैसे सहकारी समिति का गठन करेंगे, कर्मचारी उपेक्षा भाव रखेंगे।

सीएम मोहन- नए काम के लिए हमें अपना आत्मविश्वास मजबूत करके आना पड़ेगा। आप जब कोई काम करना चाहते हैं तो पहले उसके बारे में पूर्व से काम करने वाले लोगों से जानकारी लेना चाहिए और समझना चाहिए कि सहकारी समिति में क्या-क्या हो सकता है? अगर जानकारी नहीं है तो संबंधित व्यक्ति खुद डूबेगा और दूसरों को भी डुबाएगा। अब सरकार ने व्यवस्था तय कर दी है कि तीस दिन में समिति का रजिस्ट्रेशन हो ही जाएगा।

मोहन चौबे - सहकारिता को शिक्षा से जोड़ना चाहिए। पढ़ाई में इसका समावेश करें। पढ़ाई में सहकारिता जैसे विषयों का समावेश किया जाना चाहिए। एजुकेशन में सहकारिता के समावेश से छात्रों में शुरूआत से ही इसकी समझ विकसित होगी।

सीएम यादव -सहकारिता में काम करने से लीडरशिप आती है। सहकारिता की भावना का विराट स्वरूप लोकतंत्र है। सहकारी समिति का अध्यक्ष बनने वाला लीडर बनता है और फिर व्यवस्था का संचालन करता है। सहकारिता में सबका स्वागत है। सहकारिता में पढ़े लिखे हों या कम पढ़ें हो, सबका स्वागत है। सहकारिता सबको लेकर चलती है। इस दौरान संगीत सोनी ने सहकारिता के साथ टाइगर रिजर्व के अनुभव सुनाए।

वकील छात्रा वैष्णवी बोली, बेइज्जती न हो जाए

कार्यक्रम में वकालत कर रही छात्रा वैष्णवी ने सहकारिता को लेकर एक कविता सुनाई। इस पर सीएम ने कहा कि तुमने लिखी क्या तो छात्रा ने कहा कि चैटजीपीटी से ली। वैष्णवी ने कहा कि वकील झूठ बोलते हैं, ऐसा कहा जाता है पर मैंने सच बोला है। इस पर ठहाके भी लगे। वकील के रूप में छात्रा वैष्णवी का रोल करते देख सीएम ने कहा कि मैं सवाल पूछूं क्या? जवाब में छात्रा ने कहा कि नहीं बता पाई तो बेइज्जती हो जाएगी। इसके बाद सीएम ने कहा कि सास-बहू अपनी बात परिवार तक पहुंचाने के लिए बच्चों का सहारा लेते हैं।

सहकारिता को आत्मसात करने की जरूरत : सारंग

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सहकारिता नए आंदोलन के रूप में लगातार आगे बढ़ रही है। अलग -अलग स्तर पर सहकारिता विकास कर रही है। जहां व्यक्ति है वहा सहकारिता है। सहकारिता रोजमर्रा की जिंदगी को सहज बनाने के लिए है। इसे जीवन में आत्मसात करना होगा तभी जीवन में बदलाव आएंगे। सहकारिता सोसायटी और रोजगार नहीं बल्कि समाज का निर्माण है। इसके पहले कार्यक्रम के शुरूआत में एसीएस सहकारिता अशोक बर्णवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को सहकारिता की समझ के लिए यह कार्यक्रम हो रहा है। हमारा समाज ही सहकारिता के कांसेप्ट पर बना है।

दैनिक सत्ता सुधार, भोपाल
- 6 JUL 2025

सीएम डॉ. मोहन यादव ने युवाओं को दिए सहकारिता के मूल मंत्र

दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान से शीर्ष पर पहुंचेगा मध्यप्रदेश

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम
- नए कार्यों में सहकारी समितियों को दी जा रही प्राथमिकता
- युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम सहकारी समितियां

किसी भी काम में सफल होने के लिए जरूरी मजबूत आत्मविश्वास, सफलता के लिए कार्य अनुभव और उसकी जानकारी जरूरी

- सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था, अब 30 दिन में हो रहा पंजीयन
- महिलाएं समिति बनाकर सतपुड़ा टाइगर रिर्जव में चला रहीं सफारी
- सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही सरकार
- आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल सहकारिता
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों की जिज्ञासा का किया समाधान
- मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता का मंच से कराया परिचय

युवाओं को दिए मूल मंत्र

मुख्यमंत्री ने युवाओं को सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं।

30 महिलाओं को सिलाई मशीन

मुख्यमंत्री ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज के छात्रों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की।

गुजरात में अमूल

स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है।

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह के नेतृत्व में मप्र के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। यह बात सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम के दौरान कही। सीएम ने तीन नए आपराधिक कानूनों का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं। इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन व सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है।

20 फीसदी दुग्ध उत्पादन का हमारा लक्ष्य

सीएम ने कहा कि अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

उद्योग हकीकत, भोपाल
- 6 JUL 2025

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम : सीएम डॉ. यादव

उद्योग हकीकत ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- नए कार्यों में सहकारी समितियों को दी जा रही है प्राथमिकता
- युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सशक्त माध्यम हैं सहकारी समितियां
- युवाओं को दिए सहकारिता के मूल मंत्र
- किसी भी काम में सफल होने के लिए जरूरी है मजबूत आत्मविश्वास
- सफलता के लिए कार्य अनुभव और उसके संबंध में जानकारी आवश्यक
- सहकारिता को लेकर लागू है पारदर्शी व्यवस्था, अब 30 दिन में हो रहा नई समिति का पंजीयन
- महिलाएं समिति बनाकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में चला रही हैं सफारी
- मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद
- विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का किया समाधान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को दिए मूल मंत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं।

सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश वन्य संपदा और जलराशियों से संपन्न है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार संकल्पित है। हमारे युवा सभी साधनों से संपन्न होकर प्रदेश को आग बढ़ाए, इसी भावना से राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से अलग-अलग मंचों पर युवाओं से संवाद किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उन्हें भी नेतृत्व का अवसर मिले। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा। सहकारिता और भारतीय दर्शन के माध्यम से हम सबके कल्याण की प्रार्थना करते हैं।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश में सहकारिता मंत्रालय बनाकर केन्द्रीय मंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा। हमें 2047 तक विकसित भारत बनाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों की जिज्ञासा का किया समाधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सामने महाविद्यालय छात्र-छात्राओं ने युवा संवाद कार्यक्रम में कई जिज्ञासाएं रखीं। एक छात्रा के सहकारी समिति बनाने की प्रक्रिया और शासकीय कार्य-प्रणाली संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की गई है।

पूर्ण विराम, भोपाल
-6 JUL 2025

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित है और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता ध्वज फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को दिए मूल मंत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं।

सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश वन्य संपदा और जलराशियों से संपन्न है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार संकल्पित है। हमारे युवा सभी साधनों से संपन्न होकर प्रदेश को आग बढ़ाए, इसी भावना से राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से अलग-अलग मंचों पर युवाओं से संवाद किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उन्हें भी नेतृत्व का अवसर मिले। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा। सहकारिता और भारतीय दर्शन के माध्यम से हम सबके कल्याण की प्रार्थना करते हैं।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया।